PAPER – II
पत्र – II

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE
विषय :– खोरठा भाषा एवं साहित्य

Full Marks : 150 **Time : 3 Hours**
पूर्णांक : 150 **समय : 3 घण्टे**

निर्देश : *प्रश्न–पत्र दो भाग में विभक्त है। भाग 'अ' (A) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 4) एवं भाग 'ब' (B) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 05 से 08) है।*

प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है।

परीक्षार्थियों को कुल 06 प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' (A) एवं 'ब' (B) से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम 01 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा एवं कुल चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं 05 में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न 07 अंक निर्धारित है।

प्रश्न संख्या 01 एवं 05 के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का 20 अंक प्रति प्रश्न है।

उत्तर अपनी मातृभाषा "खोरठा" में ही लिखें।

निर्देश : *"खोरठा भाषा" कुल छव (06) गो सवालेक जबाब लिखेक हय। सवाल संख्या 01 (एक) आर 05 (पाँच) जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। एकर अलावे दुइयो खँधा (ग्रुप) से कम से कम एक–एक सवालेक उत्तर दे के चाइर (04) सवालेक उत्तर दाय।*

उत्तर खोरठें दाय (लिखा)।

GROUP – A
भाग – अ

1. हेठें उखरवल **सात** सवाल में **पाँच** सवालेक उत्तर दाय। **(5×7=35)**

   क. खोरठा भासाक नामकरनेक लेताइरें डा. ए. के का जीक विचार के उखरावा।

   ख. खोरठाक लिपि समस्या पर संक्षेप में आपन विचार दाय।

   ग. खोरठा भासाक बिकास के कथा संक्षेप में लिखा।

   घ. खोरठा साहित के काल विभाजन में भासा साहित के विद्वान के मत के उजागर करा।

   ङ. संज्ञा के माने बतावा आर ओकर भेद के उखरावा।

Marks
अंक

च. सरवनाम के मानें बतावा आर ओकर भेद गिनावा।

छ. खोरठा गीतेक बिकास में सुकुमार जीक जोगदान के बखान करा।

2. क. खोरठा कारक के माने बतावा आर ओकर भेद पटतइर देके उखरावा। 10

ख. बिसेसन के माने बताके ओकर भेद उखरावा। 10

3. क. खोरठा लोकगीत के माने आर ओकर भेद बतावा। 10

ख. खोरठाक मइधकालीन काइब के परबिरति बतावा। 10

4. क. उपन्यास के माने बताके कोनो एक खोरठा उपन्यास के जइर भाव बतावा। 10

ख. खोरठा कहनीक विकास के बारे एक गढ़िया नोट लिखा। 10

GROUP – B

भाग – ब

5. हेठेंक उखरवल **सात** सवाल में **पाँच** सवालेक उत्तर दाय। (5×7=35)

क. शिवनाथ प्रमाणिक जी के परिचय एक जनवादी खोरठा कवि के रूपें दाय।

ख. खोरठाञ् मुहावरा आर लोकोक्ति के कि कहल जा हे ? पाँच-पाँच गो खोरठा मुहावरा आर लोकोक्ति के पटतइर दाय ।

ग. खोरठा शिष्ट साहित के विकास में श्री निवास पानुरी के जोगदान के खाँटे खुँट बतावा।

घ. आधुनिक खोरठा साहितेक लेताइरें कोनों एक साहित्यकार के कृति पर बिचार करा।

ङ. खोरठा सबद संपइत (शब्द संपदा) पर आपन बिचार दाय।

च. मुनेश्वर दत शर्मा व्याकुल खोरठें साहित के जोगदान के बखान करा।

छ. परनदिया खोरठाक बिसेसता बतावा।

6. हेठें दियल कोनो दुगो विसइ पर छोट-खाँट निबंध लिखा। (2×10=20)

क. सोहराइ परब (डांगर गोरुख अराधना के परब)।

ख. पर्यावरण समसिया आर तकर समाधान।

ग. झारखण्ड में भासा आन्दोलन।

घ. स्वच्छ भारत अभियान।

Marks
अंक

7. क. हेठें दियल गइदेक उचित सिरसक (शीर्षक) देके खाँट - खुँट (संक्षेपण) करा। 10

सबके आपन-आपन धरम हेवे हे - समाज के धरम, बेगइत - बेगइत के धरम, गाँव के धरम, फइर गोटा देसेक धरम। बेगइत - बेगइत के धरम आर समाजेक धरम दुगो मुइख धरम हेफे, फइर सकरें से गाँवके आर देस के धरम बने हे।

ख. खोरठें उलथा (अनुवाद) करा। 10

हमारे चारों ओर प्रकृति का समूचा रूप दिखाई पड़ता है, या महसूस होता है, वही पर्यावरण है। प्रकृति और मानव का चिरंतन संबंध है , कहा जाता है कि मानव प्रकृति के पाँच विभिन्न तत्वों भूमि, वायु, जल, अग्नि और आकाश से निर्मित हुआ है। इन्हीं तत्वों के आपसी संतुलन, इनकी एक-दूसरें की अनिवार्यता से बने वातावरण को हम पर्यावरण के रूप में जान सकते हैं।

8. क. हेठें दिअल गेल अनुच्छेद पइढ के तीनों सवालेक जबाब दाय। 10

दुनियाञ् अगर वइसन लोक हे वो हथ जे लोक आपन पेछु कोन्हों 'आदर्श' छोइड राख - हथ जकर गोड़ावल दाम (स्थाई मूल्य) हेवे हे। प्राइ-प्राइ अइसन देखल गेल हे जे अइसन लोक बड़ी संदने (मुश्किल से) तलिआइल हारें जनम ले हथ। मानुखें कसटसाहा, मरजीमारा (निःस्वार्थ), हियाखलास, हुबगर आरो-आरो गुन गिलाक बिकासेक आयां दरकार हे, केतन हुँ आफइत - बिपइत भेलहुँ आपन धीरज नाञ्, छोड़ेक, सादा-मीठा जिनगीक अँच-विचार से गढ़िया नाता-गोता-रहे हे।

i) कोन किसिमेक कामे लोक अमर भइ जा हथ ?

ii) घमंड़ छाड़ा मानुसेक कोन-कोन गुण-हेवे हे ?

iii) सादा जिनगी खातिर कि हेवेक चाही ?

ख. खोरठा संस्कार गीतेक लेताइरें जनम संस्कार के गीत लिख के भाव फरीछ करा। 10

prepp Your Personal Exam Guide